RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : मंगलवार 26 नवंबर 2024 वर्ष 06 अंक 227 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

...तो क्या यह था महाराष्ट्र के वसई-विरार में 'ऑपरेशन बीवीए' का सच

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

देवेंद्र फडणवीस को मिलेगी कमान या बिहार फॉर्मूला होगा लागू, भाजपा नेता ने दिए ये संकेत

फडणवीस को मिलेगी कमान या बिहार फॉर्मूला होगा लागू... भाजपा नेता ने दिए ये संकेत

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद बीजेपी और शिवसेना के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर जबरदस्त रस्साकशी चल रही है। हालांकि महाराष्ट्र बीजेपी के प्रमुख नेता देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना तय माना जा रहा है। साथ ही महायुति सरकार राज्य में सीएम के साथ दो डिप्टी सीएम वाले अपने पुराने फामूर्ले को दोहराने की संभावना भी जताई जा रही है।

महाराष्ट्र में महायुति की ऐतिहासिक जीत की रणनीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व सांसद एवं बीजेपी नेता विनय सहस्त्रबुद्धे ने इशारों में संकेत दिए हैं कि देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र की कमान मिल सकती है। सोमवार को बीजेपी के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि महाराष्ट्र में जनादेश का सम्मान किया जाएगा। जनादेश बीजेपी और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व को मिला है। मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के दबाव की अटकलों को दरकिनार करते हुए सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि किसी के दबाव जैसी कोई बात नहीं है और बीजेपी में किसी के दबाव में आने वाले लोग भी नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व व शिवसेना और राकां के प्रमुख नेता मिलकर अगले कुछ घंटों में महायुति की सर्वसम्मत सरकार के गठन की घोषणा कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में बिहार पैटर्न

एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सांसद नरेश म्हस्के ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सीएम के लिए बिहार पैटर्न अपनाया जाना चाहिए। बिहार में कम सीटें होने के बाद भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया गया। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही नजीर पेश करके संजय राउत जैसे नेताओं को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। राउत कहते हैं कि बीजेपी सिर्फ सहयोगियों का इस्तेमाल करती है। इसलिए नीतीश की तर्ज पर शिंदे को सीएम बनाकर राउत को बता देना चाहिए कि भाजपा गठबंधन धर्म का पालन करती है।

IPS रश्मि शुक्ला और देवेंद्र फडणवीस की मुलाकात पर विवाद

कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप

मुंबईः महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान विवादों में रही राज्य की पूर्व डीजीपी रश्मि शुक्ला एक बार फिर से विवाद में फंसती नजर आ रही हैं। चुनाव नतीजों के दिन उपमुख्यमंत्री से कथित तौर पर मुलाकात को लेकर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए है, और रश्मि शुक्ला पर कार्रवाई करने की मांग की है। कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से मांग की कि आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर आदर्श आचार संहिता का कथित उल्लंघन करने के लिए कार्रवाई की जाए। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंढे ने दावा किया कि शुक्ला ने राज्य के गृह मंत्री फडणवीस से उस समय मुलाकात की, जब आदर्श आचार संहिता लागू थी। आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला ने कथित तौर पर जिस दिन महाराष्ट्र चुनाव की मतगणना हो रही थी उस दिन यानी 23 नवंबर की शाम को बीजेपी नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की थी।

चुनाव के बीच डीजीपी पद से हटाया गया

इस महीने की शुरूआत में, निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस समेत अन्य राजनीतिक दलों की शिकायतों के बाद महाराष्ट्र सरकार को पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला का तत्काल प्रभाव से तबादला करने का निर्देश दिया था। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को शुक्ला का प्रभार कैडर के अगले सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को सौंपने का निर्देश दिया।

कांग्रेस ने लगाया आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

कांग्रेस प्रवक्ता अतुल लोंढे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ''रश्मि शुक्ला ने राज्य के गृह मंत्री से तब मुलाकात की जब आचार संहिता लागू थी, जो स्पष्ट रूप से इसका उल्लंघन है। चुनाव आयोग को इस मामले पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।'' उन्होंने तेलंगाना में इसी तरह की एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि तेलंगाना में एक डीजीपी और एक वरिष्ठ अधिकारी ने चुनाव के दौरान एक मंत्री से मुलाकात की थी और चुनाव आयोग ने उनके खिलाफ तुरंत कार्रवाई की थी। कांग्रेस प्रवक्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग गैर-भाजपा शासित राज्यों में कार्रवाई करने में क्यों तेज है, लेकिन भाजपा शासित राज्यों में इस तरह के उल्लंघनों के प्रति आंखें मूंदे प्रतीत क्यों होता है। यह गंभीर सवाल खड़े करता है।''

विपक्षी नेताओं के फोन टैप करने का आरोप

कांग्रेस नेता अतुल लोंढे ने कहा कि रश्मि शुक्ला पर विपक्षी नेताओं के फोन टैप करने सहित कई गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस ने चुनाव के दौरान उन्हें डीजीपी के पद से हटाने की मांग की थी और उन्हें हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि हालांकि, विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं, लेकिन जब वह राज्य के गृह मंत्री से मिलीं, तब आदर्श आचार संहिता लागू थी और यह एक स्पष्ट उल्लंघन है।

कालबादेवी हत्याकांड में आरोपी गिरफ्तार

मुंबईः कालबादेवी इलाके में सड़क किनारे मृत मिले शख्स की हत्या किए जाने का खुलासा हुआ है. पुलिस की सीसीटीवी जांच से पता चला कि एक शख्स उसे धक्का दे रहा था. आखिरकार पुलिस ने इस मामले में 28 साल के एक अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है. उसके खिलाफ पहले से ही 9 मामले दर्ज हैं. कालबादेवी से पी.बी. मुंबई पुलिस के मुख्य नियंत्रण कक्ष को एक कॉल मिली कि एक व्यक्ति सड़क क्षेत्र में सड़क के किनारे बेहोश पड़ा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो सिंगापुरवाला बिल्डिंग के पास प्रवीण मेटल शॉप के सामने फुटपाथ पर एक व्यक्ति पड़ा हुआ था। शख्स को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया था. आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में है.

युवती का वीडियो बनाने और धमकी देने वाले युवक गिरफ्तार

मुंबईः पुलिस ने रविवार को 34 वर्षीय एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसने बांद्रा रिक्लेमेशन इलाके में टहलने आई एक युवती का पीछा किया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। इस बार आरोपियों ने पुलिस से भी मारपीट की. इस मामले में आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है.

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बाबर रहमत खान (34) के रूप में हुई है और वह नवी मुंबई का रहने वाला है। आरोपी प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता है. 26 वर्षीय पीड़िता अपने दोस्त के साथ बांद्रा के रिक्लेमेशन एरिया में घूमने आई थी। इस बार आरोपी ने उसका पीछा किया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। जब आरोपी उसका पीछा कर रहा था तो उसने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत के बाद बांद्रा पुलिस ने आरोपी खान को हिरासत में लिया और बांद्रा पुलिस स्टेशन ले आई। वहां भी आरोपियों ने पुलिस के साथ गाली-गलौज और चिल्लाना शुरू कर दिया.

इसी दौरान आरोपियों ने पुलिस कांस्टेबल गोराडे की पिटाई कर दी. साथ ही एक अन्य पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ दी. इस मामले में पुलिस ने तुरंत छेड़छाड़ और सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया.

संपादकीय...

महिलाओं का 'गेमचेंजर' जनादेश

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

महाराष्ट्र का जनादेश भाजपा और झारखंड का जनादेश झामुमो के पक्ष का जनादेश है। 'महायुति' गठबंधन का भी उतना ही योगदान है, लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन को सुनामी-सा जनादेश मिला है। बेशक यह जीत प्रचंड, ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रही है, तो उतनी ही अपमानजनक पराजय कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) के गठबंधन 'महा विकास अघाड़ी' की है। चूंकि सबसे बड़ी पार्टी भाजपा रही है, लेकिन इतनी बड़ी जीत की कल्पना भाजपा नेतृत्व ने भी नहीं की थी। मतदान से एक दिन पहले तक 'महायुति' 165-170 सीटों का आकलन कर रहा था। भाजपा भी 105-108 सीटें जीतने को आश्वस्त थी, लेकिन जो जनादेश सामने आया है, उसे खुद भाजपा-महायुति के बड़े नेता भी 'अप्रत्याशित' और 'अविश्वसनीय' मान रहे हैं। भाजपा को अकेले ही 132 सीटों पर जनादेश हासिल हुआ है और उसका स्ट्राइक रेट करीब 90 फीसदी रहा है। शिवसेना (शिंदे) का भी स्ट्राइक रेट 71 फीसदी रहा है और एनसीपी (अजित) का करीब 80 फीसदी रहा है। यह वाकई शानदार और अकल्पनीय जनादेश रहा है। चुनावी मुकाबला भी एकतरफा साबित हुआ। शिवसेना की कुल 57 सीटें विपक्षी अघाड़ी की कुल 48 सीटों से भी अधिक हैं। भाजपा के संदर्भ में गौरतलब यह रहा कि उसने 2014 की 'मोदी लहर' में अकेले ही चुनाव लडकर 122 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार जनादेश ऐसा है कि सामान्य बहुमत का आंकड़ा 145 सिर्फ 13 सीट दूर है। इस जनादेश की 'गेमचेंजर' रही-'लाडली बहिन योजना।' यह विचार मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को दिया था। शिवराज इसे मप्र के चुनाव में सफलतापूर्वक आजमा चुके थे। उनका आग्रह था कि तुरंत प्रभाव से योजना लागू कर दी जाए, लिहाजा जुलाई से ही महाराष्ट्र की करीब 2.34 करोड़ महिलाओं के खातों में 1500 रुपए प्रति माह भेजने का सिलसिला शुरू हुआ। नवंबर में चुनाव तक हरेक महिला के खाते में 7500 रुपए पहुंच चुके थे। नतीजा सामने है। महिलाओं ने कुल 65 फीसदी से ज्यादा मतदान किया। खास तौर पर 15 सीटें ऐसी थीं, जहां महिलाओं ने सुनामी-सा जनादेश दिया। उनमें से 12 सीटें 'महायुति' ने जीतीं। मप्र का प्रयोग महाराष्ट्र में भी सफल रहा।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

विधानसभा चुनाव में हार के बाद नाना पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

मुंबई : विधानसभा चुनाव में हार के कुछ दिन बाद नाना पटोले ने महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। चुनाव में करारी हार की जिम्मेदारी लेते हुए पटोले ने अपने इस्तीफे की पेशकश का दी है। कांग्रेस चुनाव में बड़ी मुश्किल से दहाई के आंकड़े तक पहुंची है। उसे महज 10 सीटों से संतोष करना पड़ा है, जबकि लोकसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा था। नाना पटोले ने खुद भंडारा जिले की साकोली सीट से चुनावी मैदान में किस्मत आजमाई थी। पटोले साकोली सीट से चार बार के विधायक हैं। फिर भी उन्हें इस सीट से जीत दर्ज करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्हें महज 208 मतों के अंतर से जीत मिली थी। नाना पटोले ने इस बार भंडारा जिले की साकोली सीट से चुनावी मैदान में किस्मत आजमाई थी। पटोले साकोली सीट से चार बार के विधायक हैं। फिर भी उन्हें इस सीट से जीत दर्ज करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। उन्हें महज 208 मतों के अंतर से जीत मिली थी।

दरअसल, महाराष्ट्र में 2024 के विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला दो प्रमुख गठबंधनों महायुति और एमवीए के बीच था। नतीजों में 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा शिवसेना और एनसीपी (अजित गुट) के गठबंधन महायुति को 235 सीटें मिलीं। इसमें भाजपा को सबसे ज्यादा 132, सहयोगी शिवसेना को 57 और अजित पवार की एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। यह बहुमत के आंकड़े 145 से काफी ज्यादा है। दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी को 54 सीटें मिली हैं। इसमें शिवसेना (उद्धव) ने 20 सीटें हासिल कीं, जबकि कांग्रेस ने 16 और एनसीपी (शरद) ने 10 सीटें जीतीं।

महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया सीट से पूर्व भाजपा सांसद नाना पटोले जनवरी 2018 में कांग्रेस में शामिल हो गए थे। पटोले मूल रूप से कांग्रेसी ही थे, लेकिन कुछ समय के लिए कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

मुंबई : राजकोष पर 33,300 करोड़ रुपये का बोझ...

पहला कदम लाभार्थियों की सूची को छोटा करना

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति की शानदार जीत के एक दिन बाद, नौकरशाह इस योजना के बारीक पहलुओं पर फिर से बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं। जुलाई 2024 से मार्च 2025 तक राजकोष पर 33,300 करोड़ रुपये का बोझ डालने वाली इस योजना के बारे में व्यापक रूप से माना जा रहा है कि इसने महिला मतदाताओं की अतिरिक्त संख्या को आकर्षित किया है, जो पुरुष-महिला वोट अनुपात के मामूली अंतर से प्रदर्शित होता है - 2019 में 3.51% से 2024 में 1.62% तक। इस साल जुलाई में शुरू की गई इस योजना में 18 से 65 वर्ष की आयु के बीच की आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाओं को 1500 रुपये प्रति माह दिए गए और इसकी शुरूआत के बाद से इसकी लोकप्रियता को देखते हुए, महायुति ने अपने घोषणापत्र में इसे बढ़ाकर 2100 रुपये करने का वादा किया। हालांकि, अब जब चुनाव की गर्मी और धूल शांत हो गई है और शासन का गंभीर काम फिर से शुरू हो गया है, तो नौकरशाहों को एहसास हो रहा है कि ₹ 2100 का वादा शायद वित्तीय रूप से अव्यवहारिक हो।

मंत्रालय में एक वरिष्ठ नौकरशाह ने पुष्टि की कि पहला कदम लाभार्थियों की सूची को छोटा करना है क्योंकि कई अयोग्य लोग सूची में शामिल हो गए हैं, और अगर यह अपने मौजूदा स्वरूप में चलता है, तो ''राज्य के वित्त में संतुलन बनाए रखना मुश्किल होगा''। वित्त मंत्री और एनसीपी प्रमुख अजीत पवार ने नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बगल में बैठे हुए इस बात का संकेत दिया, जब उन्होंने ''वित्तीय अनुशासन की आवश्यकता'' का आह्वान किया। शिवसेना प्रवक्ता कृष्णा हेगड़े ने कहा, ''बढ़ी हुई वोट हिस्सेदारी बड़ी संख्या में महिलाओं के आगे आने का नतीजा है। वे सीएम शिंदे द्वारा उन्हें ₹1500 प्रति माह दिए जाने से खुश थीं।

बंटेंगे तो कटेंगे, स्ट्राइक रेट 95 प्रतिशत... मुंबई में एक बार फिर सीएम योगी के पोस्टर लगे

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के नतीजों में एक बार फिर महायुति की सरकार बनने जा रही है। महायुति को 230 सीटों पर विजय मिली। इधर चुनावी सफलता से उत्साहित बीजेपी कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर मुंबई में सीएम योगी के बंटेंगे तो कटेंगे नारे लिखे पोस्ट लगाए हैं। इस बार इसमें चुनावी सफलता से जुड़ा डेटा भी लगाया है। बता दें महाराष्ट्र चुनाव के लिए बीजेपी ने जमकर प्रचार किया था। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 11 रैलियों को संबोधित किया था। जबकि पीएम मोदी ने 10 रैलियां की थी।

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव हार चुकी बीजेपी ने इस बार विधानसभा चुनाव के लिए अलग रणनीति बनाई। बीजेपी आला नेता जैसे पीएम मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा ने चुनावी प्रचार से दूरी बनाए रखी। हालांकि सभी ने लगभग रैलियां की। बीजेपी ने इस बार स्थानीय नेताओं के दम पर पूरा चुनाव लड़ा। नतीजा यह रहा कि बीजेपी को जबरदस्त जीत मिली। सीएम योगी ने बंटेंगे तो कटेंगे नारे का महाराष्ट्र में जमकर इस्तेमाल किया, इससे प्रदेश के सभी हिंदू वोटर्स बीजेपी की ओर लामबंद हुए, चुनावी सफलता हासिल की जानकारी के अनुसार सीएम योगी आदित्यनाथ पूरे प्रदेश में 11 रैलियां की, इनमें सभी सीटों पर पार्टी को जीत मिली। यानि सीएम योगी का स्ट्राइक रेट 100 प्रतिशत रहा। सीएम योगी के अलावा देवेंद्र फडणवीस ने वोट जिहाद और नितेश राणे ने मस्जिदों में घुसकर मारने की बात की। इन नारों से भी जमकर ध्रुवीकरण हआ और पार्टी को बड़ी जीत मिली।

बता दें कि महायुति को विधानसभा चुनाव में 288 में से 230 सीटों पर जीत मिलीं। इसमें बीजेपी को 132, शिवसेना शिंदे गुट को 57, एनीसीपी अजित पवार को 41 सीटों पर जीत मिली। इस बीच आज फडणवीस, शिंदे और अजित पवार दिल्ली में सीएम फेस का नाम तय करने के लिए अमित शाह से मुलाकात करेंगे।

ठाणे : चोरी करते पकड़े जाने पर एक महिला ने सुरक्षा गार्ड पर किया चाकू से हमला...

ठाणे : रेलवे स्टेशन पर चोरी करते पकड़े जाने पर एक महिला ने सुरक्षा गार्ड पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी महिला और उसके पति दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है महाराष्ट्र के ठाणे रेलवे स्टेशन पर एक महिला चोर ने पकड़े जाने पर सुरक्षा गार्ड पर चाकू से हमला कर दिया। महिला के हमले से जवान घायल हो गया लेकिन उसने फिर भी चोर को भागने नहीं दिया।

एक अधिकारी ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर एक महिला ने महाराष्ट्र सुरक्षा बल के जवान पर चाकू से हमला कर दिया। जवान ने महिला को चोरी के आरोप में पकड़ा था। एमएसएफ जवान अनिकेत कदम प्लेटफॉर्म नंबर 9-10 पर गश्त ड्यूटी पर था। कदम ने महिला का पीछा किया, उसकी पहचान जैनब मेमन के रूप में हुई। उसे एक यात्री का सामान चुराने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि जब महिला पकड़ी गई तो उसके पति ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। अपराध में शामिल होने के आरोप में पति को भी गिरफ्तार किया गया है। जब सुरक्षाकर्मी आरोपी दंपत्ति को थाने ले जा रहे थे, तो महिला ने चाकू निकालकर सुरक्षाकर्मी की कमर में घोंप दिया। इससे जवान घायल हो गया। हालांकि, उसने महिला को भागने नहीं दिया। लेकिन उसका पति वहां से भाग गया।

मुंबई/ विले पार्ले में कार डिवाइडर से टकरा गई...

18 वर्षीय दो युवकों की मौत !

मुंबई : मुंबई वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर देर रात की मौज-मस्ती की सवारी दोस्तों के एक समूह के लिए दुखद साबित हुई, जब विले पार्ले में उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें 18 वर्षीय दो युवकों की मौत हो गई। इस घटना में जलज धीर और सार्थक कौशिक की मौत हो गई, जो पिछली सीट पर बैठे थे। वेस्टर्न एक्सप्रेस पर मौज-मस्ती की सवारी के दौरान कार डिवाइडर से टकराने से दो किशोरों की मौत विले पार्ले पुलिस के अनुसार, चार दोस्तों का समूह, जो सभी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रथम वर्ष के छात्र थे, देर रात बांद्रा में खाना लेने के लिए निकले थे। सुबह करीब 4:30 बजे गोरेगांव लौटते समय, ड्राइवर साहिल मेंधा सर्विस रोड और फ्लाईओवर के बीच भ्रमित हो गया, उसने तेज गति (120-150 किमी/घंटा) पर एक तेज मोड़ लेने की कोशिश की और डिवाइडर से टकरा गया।

कार में मौजूद 18 वर्षीय एक अन्य व्यक्ति और प्रत्यक्षदर्शी जेदान जिमी ने पुलिस को बताया कि देर रात बाहर जाने का फैसला करने से पहले उन्होंने शाम को साथ में वीडियो गेम खेलते हुए और लोगों से मिलते हुए बिताया था। रविवार को गिरफ्तार किए गए मेंधा ने दावा किया कि उसने शराब नहीं पी थी, हालांकि उसके बयान की पुष्टि के लिए रक्त परीक्षण किए गए हैं। विले पार्ले के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मेंधा के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस था, लेकिन तेज गति और अनिर्णय के कारण उसने नियंत्रण खो दिया पुलिस ने मेंधा पर लापरवाही से मौत, तेज गति से गाड़ी चलाने और व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए भारतीय दंड संहिता की धाराओं के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पवई दुर्घटना में एक युवा सवार की मौत शुक्रवार रात पवई झील के पास एक अलग घटना में, राजावाड़ी अस्पताल में अपनी बीमार मां को देखने के लिए भागते समय एक 24 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई।

सरकार का गठन... 1 मुख्यमंत्री और 2 डिप्टी CM का फॉमूर्ला तय

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजे आने के बाद 26 नवंबर तक सरकार का गठन होना है। इसकी वजह ये है कि विधानसभा का कार्यकाल इस दिन खत्म हो रहा है, सरकार गठित न होने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। महायुति सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, 1 मुख्यमंत्री और 2 डिप्टी उट का फॉमूर्ला तय हुआ है। महायुति की पार्टियों में हर 6-7 विधायक पर एक मंत्री पद का फॉमूर्ला भी फाइनल हुआ है। इस हिसाब से भाजपा के 22-24, शिंदे गुट के10-12 और अजित गुट के 8-10 विधायक मंत्री बन सकते हैं।

अंबरनाथ इलाके में फार्मा फैक्ट्री में लगी आग

ठाणे: महाराष्ट्र के ठाणे के अंबरनाथ इलाके में एक फार्मास्युटिकल फैक्ट्री में सोमवार को आग लग गई, अधिकारियों ने बताया ठाणे नगर निगम के अनुसार, दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही हैं। अभी तक, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

नगर निगम के डिपो में आग लगने से हड़कंप... छह गाड़ियां जल गई

नालासोपारा : नालासोपारा पूर्व के सनशाइन इलाके में नगर निगम के डिपो में आग लगने से हड़कंप मच गया था. इस आग में नगर निगम की छह गाड़ियां जल गई थीं. गौरतलब है कि इसी जगह पर डेढ़ साल पहले भी बसों में आग लगने की खबर आई थीं, जहां बड़ी संख्या में बसें जल गई थीं थी. जानकारी के मुताबिक आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया है. चूंकि यह घनी आबादी वाला क्षेत्र है इसलिए अग्निशमन कर्मियों को भी आग पर काबू पाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था. नागरिकों का आरोप है डिपो में असामाजिक तत्वों का आना जाना लगा रहता है लेकिन प्रशासन इसे पूरी तरह से नजरअंदाज करता है.

अंधेरी में पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले गोखले ब्रिज का मई 2025 से पहले पूरा होना असंभव...

मुंबई : मुंबई अंधेरी में पूर्व-पश्चिम को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण गोपाल कृष्ण गोखले ब्रिज की दक्षिणी भुजा का निर्माण कार्य दूसरे गर्डर को नीचे करने में देरी के कारण अनिश्चितता का सामना कर रहा है। मूल रूप से 14 नवंबर के लिए निर्धारित, नीचे करने की प्रक्रिया आवश्यक 7.5 मीटर में से केवल 1.25 मीटर आगे बढ़ी है, जिससे संशोधित अप्रैल 2025 की समय सीमा पर संदेह पैदा हो रहा है। बीएमसी गोखले ब्रिज के निर्माण के लिए अप्रैल 2025 की समय सीमा से चूक सकती है 86 मीटर लंबा दूसरा गर्डर सितंबर 2024 में अपनी स्थिति में आना शुरू हो गया था। हालांकि, नीचे करने में देरी के कारण एप्रोच रोड, पैदल यात्री मार्ग और बाउंड्री वॉल सहित बाद के काम रुक गए हैं। एक नागरिक अधिकारी ने कहा कि देरी जारी रहने के बावजूद, बीएमसी शेष कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। अंधेरी लोखंडवाला ओशिवारा नागरिक संघ के निदेशक धवल शाह ने चिंता व्यक्त की: ''मानसून से केवल पाँच महीने पहले, परियोजना की समयसीमा महत्वपूर्ण है। वर्तमान गति से, मई 2025 से पहले पूरा होना असंभव लगता है।''

पश्चिमी रेलवे के समन्वय में मेसर्स राइट्स लिमिटेड द्वारा प्रबंधित, 1,300 मीट्रिक टन के गर्डर की स्थापना तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य है जिसमें उन्नत क्रेन और सीमित साइट स्पेस शामिल है। एक बार पूरी तरह से संरेखित होने के बाद, डामरीकरण, प्रकाश व्यवस्था और सड़क चिह्नों जैसे अतिरिक्त कार्य किए जाएँगे। फरवरी 2024 में आंशिक रूप से फिर से खोला जाने वाला यह पुल अंधेरी पूर्व और पश्चिम के बीच यातायात की भीड़ को कम करने के लिए आवश्यक है। जबकि बीएमसी जोर देकर कहती है कि यह 30 अप्रैल की समयसीमा को पूरा करेगा, आंतरिक सूत्रों का सुझाव है कि देरी मई तक पूरा होने की संभावना है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : मंगलवार 26 नवंबर 2024

...तो क्या यह था महाराष्ट्र के वसई-विरार में 'ऑपरेशन बीवीए' का सच

वोटिंग से एक दिन पहले विरार में मौजूद थे विनोद तावड़े...

मुंबई : बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे की मतदान के एक दिन पहले विरार में उपस्थित का रहस्य राजनीति को अब समझ में आ रहा है। विधानसभा चुनाव में हितेंद्र ठाकुर और उनके बेटे क्षितिज ठाकुर, दोनों चुनाव हार गए हैं। इस हार के साथ ही वसई, नालासोपारा, बोइसर और पालघर इलाकों की राजनीति में ठाकुर परिवार का एकछत्र साम्राज्य छिन्न-भिन्न हो गया है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणाम में बहुजन विकास आघाडी का सफाया होने के बाद राजनीति को यह समझ में आ रहा है कि आखिर तावडे वहां असल में क्या कर रहे थे।

दो बड़े नेताओं को कमान

'ऑपरेशन बीवीए' की कमान दो बड़े नेताओं, गुजरात बीजेपी के दिग्गज नेता सांसद सीआर पाटील और विनोद तावडे के हाथों में थी। वहां पर गुजरात व राजस्थान के सैकड़ों बीजेपी पदाधिकारी, नगर पालिकाओं, पंचायतों के चुने हुए प्रतिनिधि और संघ के युवा कार्यकर्ता बहुत ही गुपचुप तरीके से काम कर रहे थे। जातिगत समीकरण का अध्ययन कर उसी जाति के कार्यकताओं को काम पर लगाया गया। टार्गेट पर थे मुंबई से माइग्रेट होकर व्यापक पैमाने पर वहां हाल में बसी उत्तर भारतीय, मराठी, दक्षिण भारतीय और गुजराती आबादी। इनके लिए ठाकुर परिवार का वर्चस्व स्वीकार करना करने के मुकाबले बीजेपी के साथ रहना ज्यादा सहूलियत भरा है।

गुपचुप तरीके से हुआ काम

ऑपरेशन बीवीए की सबसे खास बात यह रही कि पिछले 5 महीने से जारी इस अंदरूनी गुपचुप काम की महाराष्ट्र बीजेपी के भी किसी भी नेता को कोई भनक तक नहीं लगने दी गई। इसके पीछे एक वजह यह भी रही कि संघ परिवार को पता था कि महाराष्ट्र बीजेपी में बहुजन विकास आघाडी के नेता हितेंद्र ठाकुर के शुभचिंतकों की कमी नहीं है और उनके जरिए हल्की-सी भनक भी लग गई, तो ठाकुर परिवार सावधान हो सकता था।

एक दिन पहले लगी भनक

मतदान के एक दिन पहले जब बहुजन विकास आघाडी के कार्यकताओं को इस साइलेंट ऑपरेशन की भनक लगी, तो उन्होंने जाल बिछाकर तावडे को फांसने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिणामतः ठाकुर पिता-पुत्र को हार का सामना करना पड़ा। बोईसर में ठाकुर परिवार के साथ रहे विलास तारे को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहले से ही अपने पाले में करके शिवसेना उम्मीदवार बना चुके थे, वह भी चुनाव जीत गए।

हितेंद्र ठाकुर वसई में 3,153 वोट से बीजेपी की उम्मीदवार स्नेहा पंडित दुबे से चुनाव हार गए, जो इससे पहले कोई बड़ी नेता नहीं थीं। इसी तरह, नालासोपारा में क्षितिज ठाकुर को 36,875 के भारी वोटों से बीजेपी के राजन नाईक से करारी हार देखनी पड़ी। निश्चित तौर पर ठाकुर परिवार के लिए यह हार उनके राजनीतिक भविष्य पर बड़ा सवाल है। अब ठाकुर परिवार को बीजेपी की शरण में लाने की कोशिश होगी।

महाराष्ट्र नव निर्माण सेना की मान्यता हो सकती है रद्द ...

मुंबई : राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना इस चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई। पार्टी का वोट शेयर भी 1.55 % था। इस नतीजे के कारण राज ठाकरे की पार्टी की मान्यता रद्द हो सकती है। चुनाव आयोग उनका सिंबल छीन सकता है। चुनाव आयोग के नियम के मुताबिक, अगर पार्टी के पास एक विधायक और 8% वोट हैं, तो मान्यता बनी रहती है। अगर दो विधायक और 6% वोट मिलते हैं, या फिर तीन विधायक और 3% वोट मिलते हैं, तो भी मान्यता बनी रहती है।

ट्रक सड़क के डिवाइडर से टकराई

ठाणे : ठाणे जिले के मुंब्रा बाईपास पर रविवार को एक कंटेनर ट्रक सड़क के डिवाइडर से टकरा गया, जिससे मार्ग पर तेल फैल गया और इस वजह से कम से कम चार घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना पूर्वाह्न नौ बजे मुंब्रादेवी मंदिर के सामने हुई, हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। कंटेनर ट्रक भिवंडी के वाडा से न्हावा सेवा तक 20 टन पॉलिएस्टर रेजिन रसायन ले जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि यातायात पुलिस कर्मियों ने दो क्रेन और एक 'टोइंग वैन' की मदद से कंटेनर ट्रक को सड़क से हटाया।

महिला ने पति को नहीं बचाया आत्महत्या का वीडियो बनाया!

पुलिस ने महिला के खिलाफ दर्ज किया मामला

ठाणे। ठाणे शहर के वागले इस्टेट में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया हैं, जिसमें महिला ने पहले तो पति को आत्महत्या करने के लिए उकसाया और जब पति आत्महत्या कर रहा था तब उसे रोकने के बजाय उसका वीडियो बनाया। वागले इस्टेट पुलिस स्टेशन में आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया हैं। बता दें कि ठाणे जिले के वागले

एस्टेट इलाके में रहने वाले दंपति के बीच विभिन्न मुद्दों पर अक्सर झगड़े होते थे। इस वजह से परेशान पति ने 20 नवंबर की रात को अपने घर पर छत के पंखे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पत्नी उन्हें यह कदम उठाने से रोकने में विफल रही और इसके बजाय उन्होंने अपने मोबाइल फोन पर अपने पति की आत्महत्या को रिकॉर्ड कर लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को पो- स्टमॉर्टम के लिए ठाणे के सरकारी अस्पताल भेज दिया।

रेलवे ट्रैक पर लोहे की रॉड फेंकने के आरोप में 20 वर्षीय युवक गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने गुरुवार रात को रेलवे ट्रैक पर 15 फीट लंबी लोहे की रॉड फेंकी थी। जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि आरोपी नशे का आदी है, जिसने लोहे की रॉड चुराकर उसे बेचकर नशा खरीदा था, लेकिन जब राहगीरों ने उसे देखा तो उसने रॉड फेंक दी और भाग गया। रेलवे ट्रैक पर लोहे की रॉड फेंकने के आरोप में 20 वर्षीय युवक गिरफ्तार हार्बर लाइन गोरेगांव-सीएसटीएम लोकल ट्रेन के मोटरमैन योगेश कुमार 21 नवंबर को सांताक्रूज और खार रोड रेलवे स्टेशनों के बीच ट्रेन चला रहे थे, तभी रात 8.30 बजे उनकी ट्रेन लोहे की रॉड से टकरा गई। उन्होंने दुर्घटना को टालने के लिए तुरंत ट्रेन रोकी और स्टेशन मास्टर को सूचना दी, जिन्होंने रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) को फोन किया। पटरियों की तलाशी लेने के बाद आरपीएफ अधिकारियों को रॉड के अलावा कोई अन्य संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। अगले दिन आरपीएफ सब-इंस्पेक्टर सपना शर्मा ने बांद्रा जीआरपी में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पटरियों पर लोहे की रॉड फेंककर यात्रियों की जान को खतरे में डालने की शिकायत दर्ज कराई।

बांद्रा जीआरपी ने शुरूआत में रेलवे अधिनियम की धारा 152 (रेलवे से यात्रा करने वाले लोगों को चोट पहुँचाना या चोट पहुँचाने का प्रयास करना) के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता की धारा 125 (ए) (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना) और 329 (3) (आपराधिक अतिक्रमण) के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जीआरपी ने आरोपी अब्दुल कादिर समतब्रज शेख को ढूंढ निकाला, जो नशे का आदी है और खार (पश्चिम) की एक झुग्गी में रहता है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com